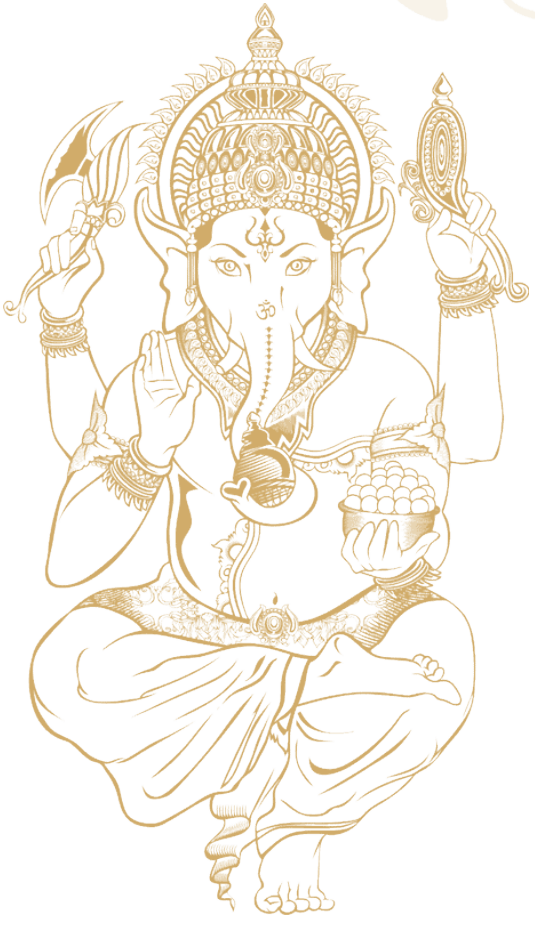

Sunil

11 Oct 1994

09:00 AM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/10/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:00:00 घंटे**
इष्ट	06:18:52 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:28:40 घंटे
वेलान्तर	00:13:09 घंटे
साम्पातिक काल	09:46:39 घंटे
सूर्योदय	06:28:27 घंटे
सूर्यास्त	18:07:35 घंटे
दिनमान	11:39:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:48:27 कन्या
लग्न के अंश	26:09:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:09:38	310:58:51	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			कन्या	23:48:27	00:59:20	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	सम राशि
चंद्र			धनु	15:24:04	13:52:32	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	09:49:38	00:32:55	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध	व		तुला	12:28:39	00:14:15	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	23:18:56	00:12:18	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	24:08:17	00:04:51	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:36:30	00:02:50	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:19:04	00:00:59	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	21:19:04	00:00:59	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:38:10	00:00:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:48:23	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:39:59	00:01:58	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	00:34:36	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:14

लग्न-चलित

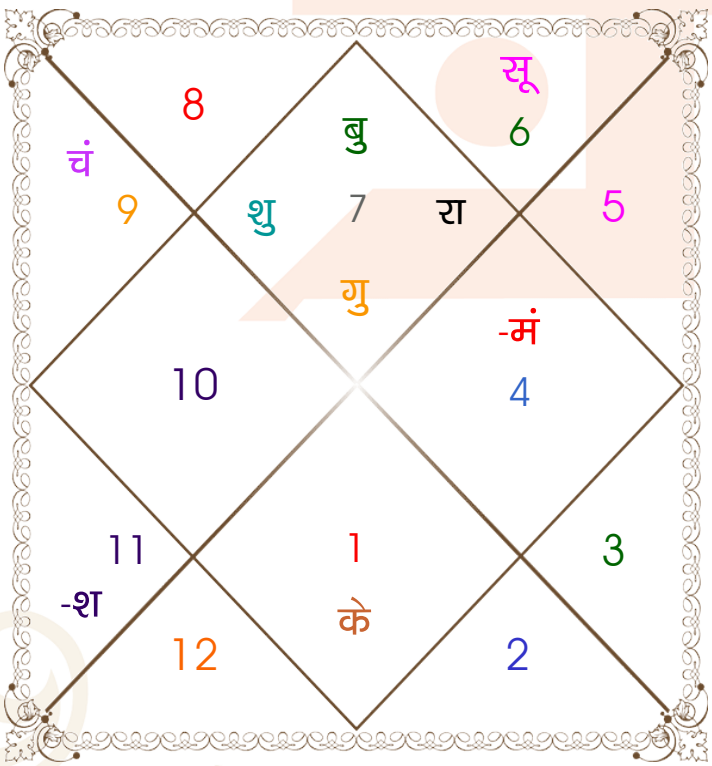

चन्द्र कुंडली

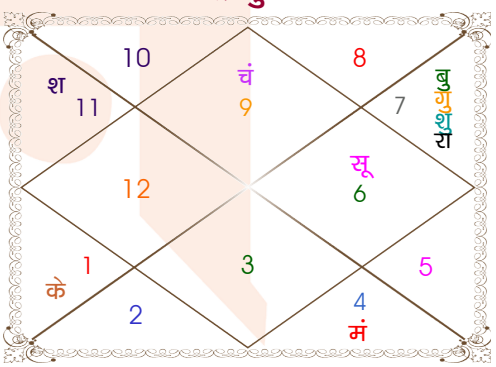

नवमांश कुंडली

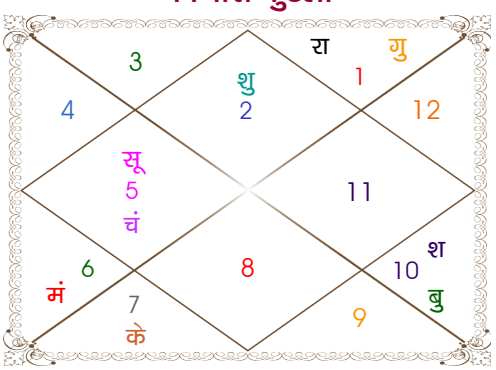

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 10 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/10/1994		04/09/2011		03/09/2017		04/09/2027		04/09/2034	
04/09/2011		03/09/2017		04/09/2027		04/09/2034		03/09/2052	
शुक्र	03/01/1995	सूर्य	23/12/2011	चंद्र	05/07/2018	मंगल	31/01/2028	राहु	17/05/2037
सूर्य	04/01/1996	चंद्र	22/06/2012	मंगल	03/02/2019	राहु	18/02/2029	गुरु	10/10/2039
चंद्र	03/09/1997	मंगल	28/10/2012	राहु	04/08/2020	गुरु	24/01/2030	शनि	16/08/2042
मंगल	04/11/1998	राहु	22/09/2013	गुरु	04/12/2021	शनि	05/03/2031	बुध	05/03/2045
राहु	03/11/2001	गुरु	11/07/2014	शनि	05/07/2023	बुध	02/03/2032	केतु	23/03/2046
गुरु	04/07/2004	शनि	23/06/2015	बुध	03/12/2024	केतु	29/07/2032	शुक्र	23/03/2049
शनि	04/09/2007	बुध	28/04/2016	केतु	05/07/2025	शुक्र	28/09/2033	सूर्य	15/02/2050
बुध	05/07/2010	केतु	03/09/2016	शुक्र	05/03/2027	सूर्य	03/02/2034	चंद्र	17/08/2051
केतु	04/09/2011	शुक्र	03/09/2017	सूर्य	04/09/2027	चंद्र	04/09/2034	मंगल	03/09/2052

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/09/2052		03/09/2068		04/09/2087		04/09/2104		05/09/2111	
03/09/2068		04/09/2087		04/09/2104		05/09/2111		00/00/0000	
गुरु	22/10/2054	शनि	07/09/2071	बुध	31/01/2090	केतु	31/01/2105	शुक्र	12/10/2114
शनि	05/05/2057	बुध	17/05/2074	केतु	28/01/2091	शुक्र	02/04/2106		00/00/0000
बुध	11/08/2059	केतु	26/06/2075	शुक्र	28/11/2093	सूर्य	08/08/2106		00/00/0000
केतु	16/07/2060	शुक्र	26/08/2078	सूर्य	04/10/2094	चंद्र	09/03/2107		00/00/0000
शुक्र	17/03/2063	सूर्य	08/08/2079	चंद्र	05/03/2096	मंगल	05/08/2107		00/00/0000
सूर्य	04/01/2064	चंद्र	08/03/2081	मंगल	02/03/2097	राहु	23/08/2108		00/00/0000
चंद्र	05/05/2065	मंगल	17/04/2082	राहु	19/09/2099	गुरु	30/07/2109		00/00/0000
मंगल	11/04/2066	राहु	21/02/2085	गुरु	26/12/2101	शनि	08/09/2110		00/00/0000
राहु	03/09/2068	गुरु	04/09/2087	शनि	04/09/2104	बुध	05/09/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 11 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।